RGCIRC
Ethics, Empathy & Excellence

अमर उजाला

कैंसर मरीजों की रिकवरी में फिजियोथेरेपी पर जोर

संवाद न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र (आरजीसीआईआरसी) ने अपने रोहिणी केंद्र में वर्ल्ड फिजियोथेरेपी डे 2026 के मौके पर वॉरियर्स मीट 4.0 एवरी स्टेप, ए विक्ट्री कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें कैंसर से उबरे मरीज, डॉक्टर, प्रबंधन और फिजियोथेरेपिस्ट शामिल हुए। विशेषज्ञों की चर्चा, मरीजों की कहानियां, प्रस्तुतियां और रिहैबिलिटेशन से जुड़ी गतिविधियां हुईं।

कार्यक्रम का मुख्य हिस्सा बिकॉज मूवमेंट इज द बिगिनिंग ऑफ हीलिंग विषय पर पैनल चर्चा रहा। चर्चा का संचालन डॉ. अर्चना अत्रेजा ने किया। पैनल में यह बात निकलकर आई कि

वर्ल्ड फिजियोथेरेपी डे के मौके पर वॉरियर्स मीट 4.0 एवरी स्टेप, ए विक्ट्री कार्यक्रम आयोजित

फिजियोथेरेपी और रिहैबिलिटेशन सिर्फ इलाज के बाद की रिकवरी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कैंसर की पूरी यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसमें मेडिकल, पीडियाट्रिक, रेडिएशन, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और फिजियोथेरेपी के विशेषज्ञों ने भाग लिया। आरजीसीआईआरसी के सीईओ डॉ. गंगवार ने कहा किरिकवरी का मतलब है मरीजों को उनकी ताकत, चलने-फिरने की क्षमता, आत्मविश्वास और स्वतंत्रता वापस दिलाना। इसलिए फिजियोथेरेपी और रिहैबिलिटेशन पूरे कैंसर केयर का अहम हिस्सा हैं।

देश का विश्वसनीय अखबार
दैनिक भास्कर

आरजीसीआईआरसी ने वॉरियर्स मीट 4.0 का आयोजन किया

भास्कर समाचार सेवा

नई दिल्ली। आरजीसीआईआरसी राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र ने अपने रोहिणी केंद्र में वर्ल्ड फिजियोथेरेपी डे 2026 के अवसर पर वॉरियर्स मीट 4.0-एवरी स्टेप, ए विक्ट्री का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कैंसर सर्वाइवर्स, ऑन्कोलॉजिस्ट, संस्थान के प्रबंधन और फिजियोथेरेपिस्ट ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य कैंसर उपचार के दौरान और उसके बाद मरीजों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में मूवमेंट, रिकवरी और लंबे समय तक चलने वाले रिहैबिलिटेशन की भूमिका को उजागर करना था। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. डी. एस. गंगवार, सीईओ, आरजीसीआईआरसी के उद्घाटन संबोधन से हुई। इसके बाद डॉ. विनीत तलवार, मेडिकल डायरेक्टर, आरजीसीआईआरसी, रोहिणी ने अपने विचार रखे और डॉ. गौरी कपूर, मेडिकल डायरेक्टर, आरजीसीआईआरसी, नीति बाग ने स्वागत संबोधन दिया।

RGCIRC
Ethics, Empathy & Excellence

पंजाब केसरी

आरजीसीआईआरसी ने 'वॉरियर्स मीट 4.0' का आयोजन

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : आरजीसीआईआरसी (राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र) ने अपने रोहिणी केंद्र में वर्ल्ड फिजियोथेरेपी डे 2026 के अवसर पर 'वॉरियर्स मीट 4.0 - एवरी स्टेप, ए विक्ट्री' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कैंसर सर्वाइवर्स, ऑन्कोलॉजिस्ट, संस्थान के प्रबंधन और फिजियोथेरेपिस्ट ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य कैंसर उपचार के दौरान और उसके बाद मरीजों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में मूवमेंट, रिकवरी और लंबे समय तक चलने वाले रिहैबिलिटेशन की भूमिका को उजागर करना था। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. डी. एस. गंगवार, सीईओ, आरजीसीआईआरसी के उद्घाटन संबोधन से हुई। इसके बाद डॉ. विनीत तलवार, मेडिकल डायरेक्टर, आरजीसीआईआरसी, रोहिणी ने अपने विचार रखे और डॉ. गौरी कपूर, मेडिकल डायरेक्टर, आरजीसीआईआरसी, नीति बाग ने स्वागत संबोधन दिया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों की चर्चा, मरीजों की कहानियां, प्रस्तुतियां और इंटरैक्टिव रिहैबिलिटेशन गतिविधियां शामिल थीं, जिनके माध्यम से कैंसर से उबरने के बाद की जिंदगी और शारीरिक कार्यक्षमता को केंद्र में रखा गया। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण "बिकॉज़ मूवमेंट इज़ द बिगिनिंग ऑफ हीलिंग' विषय पर आयोजित पैनल चर्चा रही। पैनल चर्चा में यह बात सामने आई कि फिजियोथेरेपी और रिहैबिलिटेशन केवल उपचार के बाद की रिकवरी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कैंसर की पूरी उपचार यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

कैंसर सर्वाइवर्स ऑन्कोलॉजिस्ट संस्थान के प्रबंधन व फिजियोथेरेपिस्ट ने भाग लिया

The Business Guardian

RGCIRC marks World Physiotherapy Day 2026 with 'Warriors Meet 4.0'

TBG NETWORK
NEW DELHI

RGCIRC (Rajiv Gandhi Cancer Institute & Research Centre) observed World Physiotherapy Day 2026 with "Warriors Meet 4.0 – Every Step, A Victory" at its Rohini Centre. The event brought together cancer survivors, oncologists, management and physiotherapists to highlight the role of movement, recovery and long-term rehabilitation in improving

quality of life during and after cancer treatment. The programme opened with an inaugural address by Dr. D. S. Gangwar, CEO, RGCIRC, followed by opening remarks from Dr. Vineet Talwar, Medical Director, RGCIRC, Rohini and a welcome note by Dr. Gauri Kapoor, Medical Director, RGCIRC, Niti Bagh. The event combined expert discussions with patient stories, performances and interactive rehabilitation activities, creating a platform that placed survivorship and functional recovery at the center of cancer care. A key highlight of the event was the panel discussion, "Because Movement is the Beginning of Healing," which brought together experts from multiple oncology disciplines. The panel included Dr. Gauri Kapoor, Dr. Rajiv Chawla, Dr. I. C. Premsagar, Dr. Pankaj Goyal, Dr. Anjali Pahuja, Dr. Vishvak Chanthar, Dr. Himanshu Rohela and Dr. Navneet Singh (PT), with Dr. Archana Atreja as moderator. The discussion reinforced that physiotherapy and rehabilitation are not limited to post-treatment recovery, but can play an important role across the cancer journey.

TOP STORY

RGCIRC Highlights Physiotherapy Role in Cancer Recovery

New Delhi: Rajiv Gandhi Cancer Institute and Research Centre (RGCIRC) observed World Physiotherapy Day 2026 with an event highlighting the role of physiotherapy and rehabilitation in helping cancer patients regain mobility, strength and independence during and after treatment.

The fourth edition of "Warriors Meet", themed "Every Step, A Victory", was held at the institute's Rohini centre and brought together cancer survivors, oncologists, physiotherapists and members of the hospital management.

The programme included expert discussions, patient experiences, performances and rehabilitation activities, with a focus on survivorship and functional recovery as part of comprehensive cancer care.

A panel discussion titled "Because Movement is the Beginning of Healing" brought together specialists from medical oncology, paediatric oncology, anaesthesiology, neurosciences, radiation oncology, surgical oncology, orthopaedic oncology and physiotherapy. Dr Archana Atreja moderated the discussion.

The speakers emphasised that physiotherapy and rehabilitation can play a role throughout the cancer care journey and are not limited to the period following completion of treatment.

Dr D S Gangwar, CEO, RGCIRC, said cancer care should extend beyond treatment to helping patients regain strength, mobility, confidence and independence.

"Physiotherapy and rehabilitation therefore form an important part of comprehensive cancer care," he said.

Dr Vineet Talwar, Medical Director, RGCIRC, Rohini, said improving cancer outcomes also required attention to how patients live during and after treatment.

He said rehabilitation could help address treatment-related limitations, support functional recovery and enable patients to return to everyday activities with greater confidence.

A special segment, "A Tribute to Our Warriors - Virtual Tour", was presented by Dr Navneet Singh, head of the Department of Physiotherapy and Onco-Rehabilitation at RGCIRC.

Singh said rehabilitation needs vary from patient to patient, with some requiring support to rebuild strength and balance while others may need help with mobility, lymphoedema or other treatment-related physical limitations.

RGCIRC
Ethics, Empathy & Excellence

पायनियर

कैंसर उपचार के साथ पुनर्वास पर भी ध्यान जरूरी : सीईओ

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के रोहिणी केंद्र में विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर 'वॉरियर्स मीट 4.0' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कैंसर से उबर चुके मरीजों, चिकित्सकों और फिजियोथेरेपिस्ट ने हिस्सा लिया। विशेषज्ञों ने कैंसर उपचार के दौरान और बाद में शारीरिक सक्रियता तथा पुनर्वास के महत्व पर चर्चा की। संस्थान के सीईओ डॉ. डी.एस. गंगवार ने कहा कि कैंसर देखभाल केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि मरीज की ताकत, चलने-फिरने की क्षमता, आत्मविश्वास और स्वतंत्रता लौटाना भी जरूरी है। मेडिकल डायरेक्टर डॉ. विनीत तलवार ने कहा कि उपचार के बेहतर परिणामों के साथ मरीजों को सामान्य जीवन में लौटने में मदद करना भी चिकित्सकों की जिम्मेदारी है। पैनल चर्चा में डॉ. गौरी कपूर, डॉ. राजीव चावला, डॉ. आई.सी. प्रेमसागर, डॉ. पंकज गोयल सहित विशेषज्ञों ने विचार रखे। डॉ. नवनीत सिंह ने मरीजों की पुनर्वास यात्रा पर प्रस्तुति दी। मरीजों ने अपनी अनुभव साझा किए। लिंफेडेमा मापन, पैर के दबाव और संतुलन का आकलन भी किया गया।

RGCIRC
Ethics, Empathy & Excellence

नवोदय टाइम्स
नई दिल्ली
NAVODAYA TIMES, New Delhi

'वॉरियर्स मीट 4.0' का समारोह

गुड़गांव, 15 सितम्बर (ब्यूरो): वर्ल्ड फिजियोथेरेपी डे 2026 के अवसर पर "वॉरियर्स मीट 4.0 एवरी स्टेप, ए विक्ट्री" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कैंसर सर्वाइवर्स, ऑन्कोलॉजिस्ट, संस्थान के प्रबंधन और फिजियोथेरेपिस्ट ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य कैंसर उपचार के दौरान और उसके बाद मरीजों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में मूवमेंट, रिकवरी और लंबे समय तक चलने वाले रिहैबिलिटेशन की भूमिका को उजागर करना था। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. डी. एस. गंगवार, सीईओ, आरजीसीआईआरसी के उद्घाटन संबोधन से हुई। इसके बाद डॉ. विनीत तलवार, मेडिकल डायरेक्टर, आरजीसीआईआरसी, रोहिणी ने अपने विचार रखे और डॉ. गौरी कपूर, मेडिकल डायरेक्टर, आरजीसीआईआरसी, नीति बाग ने स्वागत संबोधन दिया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों की चर्चा, मरीजों की कहानियां, प्रस्तुतियां व इंटरैक्टिव रिहैबिलिटेशन गतिविधियां शामिल थीं। जिनके माध्यम से कैंसर से उबरने के बाद की जिंदगी और शारीरिक कार्यक्षमता को केंद्र में रखा गया। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण "बिकॉज़ मूवमेंट इज़ द बिगिनिंग ऑफ हीलिंग" विषय पर आयोजित पैनल चर्चा रही।

india.net
निर्भय-निष्पक्ष-निरन्तर
अमृत इंडिया
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

आरजीसीआईआरसी ने 'वॉरियर्स मीट 4.0' का आयोजन किया

नई दिल्ली। राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र ने अपने रोहिणी केंद्र में वर्ल्ड फिजियोथेरेपी डे 2026 के अवसर पर 'वॉरियर्स मीट 4.0 - एवरी स्टेप, ए विक्ट्री' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कैंसर सर्वाइवर्स, ऑन्कोलॉजिस्ट, संस्थान के प्रबंधन और फिजियोथेरेपिस्ट ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य कैंसर उपचार के दौरान और उसके बाद मरीजों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में मूवमेंट, रिकवरी और लंबे समय तक चलने वाले रिहैबिलिटेशन की भूमिका को उजागर करना था। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. डी. एस. गंगवार, सीईओ, आरजीसीआई आरसी के उद्घाटन संबोधन से हुई। इसके बाद डॉ. विनीत तलवार, मेडिकल डायरेक्टर, आरजीसीआईआरसी, रोहिणी ने अपने विचार रखे और डॉ. गौरी कपूर, मेडिकल डायरेक्टर, आरजीसीआईआरसी, नीति बाग ने स्वागत संबोधन दिया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों की चर्चा, मरीजों की कहानियां, प्रस्तुतियां और इंटरैक्टिव

रिहैबिलिटेशन गतिविधियां शामिल थीं, जिनके माध्यम से कैंसर से उबरने के बाद की जिंदगी और शारीरिक कार्यक्षमता को केंद्र में रखा गया। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण 'बिकॉज़ मूवमेंट इज़ द बिगिनिंग ऑफ हीलिंग' विषय पर आयोजित पैनल चर्चा रही। इसमें विभिन्न ऑन्कोलॉजी क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल हुए। पैनल में डॉ. गौरी कपूर, डॉ. राजीव चावला, डॉ. आई. सी. प्रेमसागर, डॉ. पंकज गोयल, डॉ. अंजलि पाहुजा, डॉ. विश्वक चंथर, डॉ. हिमांशु रोहेला और डॉ. नवनीत सिंह (पीटी) शामिल थे, जबकि डॉ. अर्चना अत्रेजा ने चर्चा का संचालन किया। पैनल चर्चा में यह बात सामने आई कि फिजियोथेरेपी और रिहैबिलिटेशन केवल उपचार के बाद की रिकवरी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कैंसर की पूरी उपचार यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस अवसर पर डॉ. डी. एस. गंगवार, सीईओ, आरजीसीआईआरसी ने कहा, 'आज कैंसर देखभाल को केवल उपचार तक सीमित नहीं देखा जा सकता। रिकवरी का मतलब मरीजों को उनकी ताकत, चलने-फिरने की क्षमता, आत्मविश्वास और स्वतंत्रता वापस दिलाना भी है। इसलिए फिजियोथेरेपी और रिहैबिलिटेशन व्यापक कैंसर देखभाल का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वॉरियर्स मीट जैसे कार्यक्रम मरीजों की इस जरूरत पर अधिक ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं।